चीनी एप्स पर प्रतिबंध

प्रिलिम्स के लिये:

भारत और उसके पड़ोसी देशों की अवस्थिति।

मेन्स के लिये:

चीनी एप्स पर प्रतिबंध लगाने का आर्थिक प्रभाव, सरकारी नीतियाँ और हस्तक्षेप, भारत-चीन संबंध।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में गृह मंत्रालय ने 54 चीनी मोबाइल एप्लीकेशन पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की है, जिसमें लोकप्रिय गेम 'गरेना फ्री फायर' भी शामिल है, जो गोपनीयता और राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित चिंताओं को उत्पन्न करता है।

- वर्ष 2020 में सरकार ने **टिकटॉक** और चीन के अन्य लोकप्रिय लघु वीडियो एप पर भी प्रतिबंध लगा दिया।
- भारत में ऐसे एप्स पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय न केवल एक भू-राजनीतिक कदम है, बल्कि एक रणनीतिक व्यापार पैंतरेबाज़ी भी है जिसका महत्त्वपूर्ण आर्थिक प्रभाव हो सकता है।
- इससे पहले यह देखा गया था कि वर्ष 2021 में चीन के साथ भारत का व्यापार 125 बिलियन अमेरिकी डॉलर को पार कर गया था, जिसमें चीन से 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर का रिकॉर्ड आयात किया गया, जो भारत में चीनी सामानों, विशेष रूप से मशीनरी की एक शृंखला की निरंतर मांग को रेखांकित करता था।

//

निर्णय के लाभ:

- **राष्ट्र के तकनीकी बाज़ार में सहायता:**
  - इन चीनी वेबसाइटों और अनुप्रयोगों को भारतीय जनता के लिये प्रतिबंधित करने से हमारी घरेलू आईटी प्रतिभा को अवसर प्रदान करने तथा इंटरनेट उपयोगकर्त्ता पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है।
    - हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर दोनों में सिलिकॉन वैली (US) तथा चीन की बड़ी टेक फर्म भारतीय उपभोक्ताओं को लेकर असमंजस्य में हैं, लेकिन भारत का ध्यान अपने देश के तकनीकी बाज़ार की बजाय आईटी सेवाओं के निर्यात पर ज़्यादा रहता है।

- **पैसवि डप्लिोमेसी पर अब कोई भरोसा नहीं:** इन एप्स पर प्रतबिंध लगाने से भारत की ओर से भी एक स्पष्ट संदेश जाता है कि यह अब चीन की नबिल एंड नेगोशएिट पॉलसिी का शकिार नहीं होगा।
  - **लद्दाख में गतरिोध** जारी है।
  - **चीन की महत्त्वाकांक्षा को चोट पहुँचाना:** यह प्रतबिंध चीन के सबसे महत्त्वाकांक्षी लक्ष्यों में से एक अर्थात् 21वीं सदी की डजिटिल महाशक्त बिनना, को प्रभावति कर सकता है।
  - दुनयिा के बाकी हस्सिों में नयिंत्रण स्थापति करने के अपने प्रयास में चीनी इंटरनेट उद्योग को आर्टफिशियिल इंटेलजिेंस एल्गोरदिम के लयिे एक प्रशक्षिण को जारी रखने हेतु भारत के 500 मलियिन से अधकि नेटज़िन्स **(Netizens)** की आवश्यकता है।
- **डेटा के महत्त्व को पहचानना:** भारत द्वारा एप्स पर प्रतबिंध और दूरसंचार हार्डवेयर एवं मोबाइल हैंडसेट से संबंधति प्रतबिंधों पर वचिार करना डेटा संग्रह एवं डजिटिल तकनीक के लयिे मददगार साबति हो सकता है।

नरि्णय के वपिक्ष में तर्क:

- **डेटा गोपनीयता चीनी एप्स तक सीमति नहीं:** हाल के दनिों में अनधकिृत तरीके से उपयोगकर्त्ताओं के डेटा की चोरी करने और भारत से बाहर के सर्वरों तक पहुँचाने की रपिोर्ट के बाद एप्स पर प्रतबिंध लगा दयिा गया था।
  - हालाँकि डेटा की गोपनीयता और सुरक्षा चतिा केवल चीनी एप्स तक ही सीमति नहीं हैं।
- **चीन पर भारत की आर्थकि नरि्भरता:** चीनी मोबाइल एप्स पर प्रतबिंध अपेक्षाकृत छोटा लक्ष्य है क्योंकि भारत कई महत्त्वपूर्ण और रणनीतकि रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में चीन के उत्पादों पर नरि्भर है।
- **प्रतस्थिापन का अभाव:** 118 से अधकि चीनी एप्स को प्रतबिंधति करने के बाद भारतीय तकनीकयिों के माध्यम से अन्य वेबसाइटों और एप्लीकेशन द्वारा इस कमी को दूर करने का कार्य शुरू कर दयिा गया है। लेकनि यह चीनी वेबसाइटों और एप्लीकेशन के उपयोग को रोकने में सक्षम नहीं है।

आगे की राह

- प्राथमकि स्तर की भारतीय आईटी फर्मों को दूसरों को अपनी सेवा उपलब्ध कराने के बजाए देश में ही सेवाओं को प्रदान करना चाहयिे।
- चीनी तकनीक की अनुपस्थतिि में भारतीय उद्यमयिों को मौजूदा फर्मों द्वारा अब तक प्रदान की जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं को परविर्तति रूप में नहीं देखना चाहयिे बल्कि उन्हें उच्च गुणवत्ता वाली उन सेवाओं एवं उत्पाद प्रदान करने पर ध्यान केंद्रति करना चाहयिे जनिका देश भर में भारतीयों द्वारा रोज़मर्रा उपयोग कयिा जाएगा।
  - नेटज़िन्स को वभिन्नि बाज़ारों में उपलब्ध समान सेवाएँ प्रदान करने का उद्देश्य काफी व्यापक है, वहीं हमारे देश में भाषायी क्षेत्रीय बाधाएँ भी मौजूद हैं।
  - यह एक वशिष्टि प्रकार के छोटे बाज़ारों के वकिास का अवसर प्रदान करता है, जहाँ स्थानीय समुदाय द्वारा स्थानीय लोगों के लयिे उपलध कराई गईं वशिष्टि इंटरनेट सेवाएँ मौजूद होंगी।
- नए डजिटिल उत्पादों के लयिे मूलतः अंतर-क्षेत्रीय आवश्यकताओं और प्राथमकिताओं पर ध्यान केंद्रति कर लगातार बढ़ते बाज़ार में उभरने की योजना बनानी चाहयिे।
  - उदाहरण के लयिे ऐसे एप वकिसति कयिे जा सकते हैं, जो वशिष्टि बाज़ार मूल्य, स्थानीय ट्रेन और बस मार्ग से संबंधति सूचना प्रदान करते हों या फरि गैर-पारंपरकि बैंकगि एवं उधार, शक्षिा, स्वास्थ्य, ऑनलाइन बक्रिी, वर्गीकृत वज्ञिापन आदि की अनुमति देते हों।

स्रोत: द हद्रिू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/banning-chinese-apps